वार्तालाप-580 सेलम, दिनांक 05.06.08
Disc.CD No.580, dated 05.06.08 at Salem
Extracts-Part-1

समयः 00.40-11.00

जिज्ञासुः ये माताजी बोल रही है...?

बाबाः जोर से बोलिए ताकि वो आपकी आवाज़ भी रिकार्डिंग हो कि आप तमिल भाषा में बोल रहे हैं।

जिज्ञासुः माताजी बोल रही है - अपने जीवन में जो भी कष्ट सुख होते हैं, वो सब कुछ बोलने का तो सोचते हैं, बाबा के सामने सब कुछ बोलने का सोचते हैं लेकिन बाप के सामने आने से वो कैसे गुम हो जाता है पता नहीं।

बाबाः बाप शान्ति का सागर कैसे साबित होगा? बच्चों को अनुभव कैसे होगा कि बाप शान्ति का सागर है, या हमारा ही बाप है या सबका बाप है?

जिज्ञासुः हमारा।

बाबाः आप को अनुभव होता है, दूसरों को अनुभव नहीं होता है। इसका मतलब आत्माओं का बाप है। देह अभिमानियों का बाप नहीं है।

जिज्ञासुः लेकिन नहीं निकलता है।

Time: 00.40-11.00
Student: This mother says....

Baba: Speak loudly so that your voice could be recorded, that you are speaking in Tamil.

Student: Mataji is saying – Whatever sorrow and happiness that happens in our life, we think of telling about it (to Baba). We think of telling about all that to Baba, but when we come in front of the Father, we don't know how we forget about it.

Baba: How will it be proved that the Father is the Ocean of peace? How will the children experience that the Father is the Ocean of peace or that He is our Father or is He everybody's Father?

Student: Our [Father].

Baba: You experience it; others do not. It means that He is the Father of souls. He is not the Father of body conscious ones.

Student: But we are unable to speak about it.

बाबाः शान्ति का सागर है। तो बाप तो कहते हैं - मुझे घर में याद करो। क्या? शान्तिधाम को याद करो - कहते हैं कि नहीं? किसको याद करो? अपने घर को याद करो। हँ? स्वर्ग को याद करो। कहते हैं ना। तो स्वर्ग को याद करो, शान्तिधाम को याद करो, दुखधाम को भूल जाओ, मुझे याद करो। तो तीन बातें हो गईं। क्या? स्वर्ग को याद करो, शान्ति धाम को याद करो, बाप को याद करो, माने सुखधाम-शान्तिधाम को याद करो, बाप को याद करो। तो तीन बातें याद। अब एक को याद करें कि तीन को याद करें?

जिज्ञासुः तीन को याद करें।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः तीन को याद करें? मुरली में क्या बोला है? एक को याद करने के लिए बोला है या तीन को याद करने के लिए बोला है?

जिज्ञासुः मुझे याद करो। एक को।

बाबाः एक ही है। भले तीन मूर्तियाँ दिखाई हैं, तीन मूर्तियाँ जो हैं, उनमें एक नीचे की मूर्ति है दुख धाम की ओर। ब्रह्मा। एक बीच की मूर्ति है सुखधाम, बैलेन्स वाली।

जिज्ञासुः विष्णु।

Baba: He is the Ocean of peace. So, the Father says – remember Me in the home. What? Remember the Abode of peace – does He say so or not? Whom should you remember? Remember your home. Hm? Remember heaven. He says so, doesn't He? So, remember heaven; remember the Abode of peace; forget the Abode of sorrow. Remember Me. So, there are three topics. What? Remember heaven, remember the Abode of peace, remember the Father, i.e. remember the Abode of happiness and the Abode of peace and remember the Father. So, you have to remember three subjects. Well, should we remember one or should we remember three?

Student: We should remember three.

Baba: Should we remember three? What has been said in the Murli? Have you been asked to remember one or to remember three?

Student: Remember Me. The One.

Baba: It is only one. Although three *murtis* (personalities) have been shown; among the three personalities, one is a murti who is lower down, towards the Abode of sorrow. Brahma. One is the *murti* in the middle, the Abode of happiness, the one who remains in balance.

Student: Vishnu.

2-27

बाबाः एक ऊपर की मूर्ति है शान्तिधाम के नज़दीक। वो शान्तिधाम का अधिष्ठाता । कौन?

जिज्ञासुः शंकर।

बाबाः शंकर। सुखधाम का अधिष्ठाता?

जिज्ञासुः ब्रह्मा।

बाबाः हँ? सुखधाम का अधिष्ठाता विष्णु। और दुखधाम का अधिष्ठाता?

जिज्ञासुः ब्रह्मा।

बाबाः ब्रह्मा। उनमें दुखधाम को याद नहीं करना है, न दुखधाम के अधिष्ठाता को याद करना है। मुरली में मना कर दिया। क्या? ब्रह्मा को याद नहीं करना। तो किसको याद करना? फिर दो मूर्तियां रह गईं। कौन-कौन सी दो मूर्तियाँ? सुखधाम का अधिष्ठाता विष्णुरूप यानी लक्ष्मी-नारायण को याद करो। सबसे अच्छा पुरुषार्थ है नारायण को याद करो। लक्ष्मी से भी ऊँचा कौन?

जिज्ञासुः नारायण।

Baba: One is the *murti* at the top, close to the Abode of peace. He is the ruler (*adhishthata*) of the Abode of peace. Who?

Student: Shankar.

Baba: Shankar. Who is the ruler of the Abode of happiness?

Student: Brahma.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Hm? The ruler of the Abode of happiness is Vishnu. And what about the ruler of the Abode of sorrow?
Student: Brahma.
Baba: Brahma. Among them, we should not remember the Abode of sorrow; nor should we remember the ruler of the Abode of sorrow. We have been forbidden from doing so in the Murli. What? Do not remember Brahma. Whom should we remember then? Then, there are two *murtis* left. Which two *murtis*? The ruler of the Abode of happiness, the form of Vishnu i.e. remember Lakshmi-Narayan. The best *purusharth*[1] is to remember Narayan. Who is greater than even Lakshmi?
Student: Narayan.

बाबाः नारायण। लक्ष्मी बनने का पुरुषार्थ बोला या नारायण बनने का पुरुषार्थ बोला?

सभी ने कहाः नारायण।

बाबाः नारायण बनने का। स्त्री चोला है तो भी क्या करना है? क्या बनना है? राजा बनना है कि रानी बनना है?

सभी ने कहाः राजा।

बाबाः राजा बनना है। रानी बनना, तो रानी तो आधीन हो जाएगी। विजयमाला का मणका बनना ये बड़ी बात है या शिवबाबा की सिमरणी का मणका, रुद्रमाला का मणका बनना बड़ी बात है?

जिज्ञासुः बाबा इसका अर्थ क्या है - नर से नारी, नारी से लक्ष्मी बनना क्यों बोलते हैं?

बाबाः आप अन्दर से आत्मा, आप अपनी अन्दर की आत्मा में अनुभूति करके देखिए कि आप राजा की क्वालिटी की आत्मा हैं या आधीन रहने वाली रानी की क्वालिटी की आत्मा हैं? आप जरा अपने अन्दर की आत्मा को देखिए। क्या हैं?

जिज्ञासुः राजा क्वालिटी।
Baba: Narayan. Have you been asked to make *purusharth* to become Lakshmi or to make *purusharth* to become Narayan?
Everyone said: To become Narayan.
Baba: To become Narayan. Even if you have a female body, what should you do? What should you become? Should you become a king or a queen?
Everyone said: King.
Baba: You should become a king. If you become a queen... a queen will become subordinate. Is it something great to become a bead of *vijaymala* (the rosary of victory) or is it something great to become a bead remembered by Shivbaba a bead of the *Rudramala*?
Student: Baba, what does it mean – why is it said that we have to transform from a man to Narayan and from a woman to Lakshmi?
Baba: Experience within your soul, feel within your soul and check, whether you are a soul with king-quality or a queen-quality soul who remains subordinate? Check inside your soul. What are you?
Student: King quality.

[1] spiritual effort

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः तो नर है या नारी है? आत्मिक स्थिति में आप क्या है? आप देह के रूप में क्यों देखते हैं? अंदरूनी रूप से आप पुरुष है या स्त्री है? अरे? आप क्या हैं? (जिज्ञासुः पुरुष) हाँ। यहाँ रहने वाले, एडवांस में चलने वाले, जो भी हैं, वो कोई भी स्त्री नहीं बनना चाहते। भले स्त्री चोला है तो भी, कंट्रोल हमारा हो। अब कंट्रोल हमारा हो तो कंट्रोल करने वाला तो राजा होता है। रानी? रानी कंट्रोल्ड होने वाली होगी या कंट्रोल करेगी? आधीन होगी या अधिकारी होगी? अधिकारी होगी।

जिज्ञासुः आधीन होगी।

बाबाः रानी तो आधीन होगी लेकिन जो राजा बनने वाला है वो तो अधिकारी होगा। तो मुख्य बात ये है कि हमको सुखधाम को याद करना है, सुखधाम के अधिष्ठाता के स्वरूप को याद करना है। और शान्तिधाम को याद करना है। और शान्तिदेवा को याद करना है। शान्तिदेवा में वो निराकार शिव है प्रवेश तब ही हम पहचान सकते हैं। अगर वो प्रवेश नहीं है तो शान्तिदेवा को पहचानने वाला भी कोई नहीं हो सकता। तो दो रूप हैं। एक सुखधाम, एक शान्तिधाम। और एक शिवबाबा। और शिवबाबा में दोनों रूप समाए हुए हैं। क्या? शिवबाबा जो है उसमें एक ही रूप है पुरुष रूप या माता का रूप भी है? जब हम कहते हैं शिवबाबा तो शिवबाबा का जो रूप है, शान्तिधाम के अधिष्ठाता का रूप है उसमें सिर्फ माता का रूप ही समाया हुआ है या बाप भी समाया हुआ है या दोनों समाए हुए हैं?

जिज्ञासुः दोनों समाए हैं।

Baba: So, are you a man or a woman? What are you in a soul conscious stage? Why do you see yourself as a body? Are you a male from within (your soul) or are you a female? Arey!... What are you? (Student: Male) Yes, all those who are here, those who follow the Advance (knowledge), (among them) no one wishes to become a female. Even if someone is in a female body, [she wishes]: 'the *control* should be mine'. Well, if 'the *control* should be mine', then the one who controls is a king. Queen? Will a queen be *controlled* [by king] or will she *control* (others)? Will she be subordinate (*aadheen*) or will she be the one who has authority (*adhikaari*)? She will be the one who has authority?

Student: She will be a subordinate.

Baba: The queen will certainly be subordinate but the one who becomes a king will be the one who has authority. So, the main thing is that we have to remember the Abode of happiness. We have to remember the form of the ruler of the Abode of happiness. And we have to remember the Abode of peace; we have to remember the deity of peace (*shantideva*). The incorporeal Shiva has entered the deity of peace; it is only then that we can recognize him. If He is not entered in him, there can be nobody who recognizes the deity of peace. So, there are two forms. One is the Abode of happiness; (the other) one is the Abode of peace; and one is Shivbaba. Both forms are included in Shivbaba. What? Is there only one form, the male form, in Shivbaba or is the mother's form also included in Him? When we say Shivbaba, then the form of Shivbaba, the form as the ruler of the Abode of peace, does it include just the mother's form or does it include the form of the father as well or does it include both forms?

Student: Both are included.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः दोनों कैसे? (जिज्ञासु ने कुछ कहा) हाँ, आधा चन्द्रमा उसमें प्रवेश है। अगर शंकर में आधा चन्द्रमा न हो, ज्ञान चन्द्रमा ब्रह्मा अगर प्रवेश न हो तो शंकर ही नहीं कहा जाएगा। माना इसलिए अर्धनारीश्वर दिखाते हैं। आधा स्त्री, आधा पुरुष। पुरुष कौन है? परम पुरुष शिव प्रवेश है। और स्त्री कौन है? ब्रह्मा की आत्मा प्रवेश है। तो राम कृष्ण वाली आत्माएं - ये दोनों मिल करके अर्धनारीश्वर बन जाते हैं। तो सुखधाम भी है, और शान्तिधाम भी है, और हमारा शिवबाबा भी है। बाबा माने साकार, शिव माने ज्योतिबिन्दु। तो एक ही रूप है जिस रूप में शान्तिधाम भी समाया हुआ है, सुखधाम भी समाया हुआ है, और शिवबाबा भी समाया हुआ है। एक ही रूप में तीनों रूप समाए हुए हैं ना। अगर वो प्रैक्टिकल में, साकार में, चैतन्य रूप में सामने आ जाए तो दुखधाम भूल जाना चाहिए या नहीं भूल जाना चाहिए?

जिज्ञासुः भूल जाना चाहिए।

बाबाः खुशी आ जानी चाहिए या नहीं आ जानी चाहिए?

जिज्ञासुः खुशी आ जानी चाहिए।

Baba: How are both of them include (in that form)? (Student said something) Yes, the half moon has entered in him. If the half moon is not present in Shankar, if the moon of knowledge Brahma doesn't enter him, he will not be called Shankar at all. This is why he is shown as *Ardhanareeshwar* [i.e.] half female and half male. Who is the male? The supreme male (*parampurush*) Shiva has entered him. And who is the female? The soul of Brahma has entered him. So, the souls of Ram and Krishna – both of them together become *Ardhanareeshwar*. So, there is the Abode of happiness as well as the Abode of peace and there is our Shivbaba as well. Baba means corporeal; Shiva means the point of light. So, there is only one form in which the Abode of peace as well as the Abode of happiness is included and Shivbaba is also included in him. All the three forms are included in one form, aren't they? If that [form] comes in *practical*, in corporeal, in a living form, then should you forget the Abode of sorrow or not?
Student: We should forget it.
Baba: Should you feel happy or not?
Student: We should feel happy.

बाबाः अच्छा वो खुशी बच्चों को आएगी या जो चच्चे बनकरके बैठे हुए हैं देहभान में उनको आएगी?

जिज्ञासुः जो बच्चे बने हैं उनको आएगी।

बाबाः क्यों? अपने को बच्चा बनाएं, पहचानें बाप को, बाप को पहचाना माने बच्चे बन गए। बाप को नहीं पहचाना माने बच्चे नहीं हैं। इसलिए ऐसा होता है। फोन भी अगर उठाएंगे तो जो बच्चे क्वालिटी की आत्माएं होंगी उनको आवाज़ आते ही सब कुछ भूल जाएगा। कितना भी पहले से नोट करके रखें, डायरी भी बनाके रखें, लिख के रखें, डायरी भी भूल जाएगी।

Baba: Alright will the [real] children feel that happiness or will the ones who are sitting as the step children, in body consciousness, feel the happiness?
Student: Those who have become children will get it.
Baba: Why? They should make themselves children, they should recognize the Father; if they recognize the Father, it means that they have become children. If they have not recognized the Father, it means they are not the children. This is why it happens like this.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Even if they receive a *phone* call, the souls who are of the quality of [real] children will forget everything as soon as they hear the voice. However much they note it beforehand, even if they prepare a diary for it, even if they note down, they will forget the diary as well!...(to be continued)

Extracts-Part-2

जिज्ञासुः एडवांस पार्टी नारी टू नारायण।

बाबाः नारी टू नारायण? नारी है ही नहीं। ये तो आप देह को देख रहे हैं। अगर आप कहते हैं कि एडवांस पार्टी में नारी से नारायण बनते हैं तो हम देह को देख रहे हैं या आत्मा को देख रहे हैं? (जिज्ञासुः आत्मा को) अरे नारी टू नारायण होता ही नहीं। एडवांस पार्टी में तो जो नारियां दिखाई पड़ रही हैं ऊपर-ऊपर से वो भी क्या हैं? (जिज्ञासु-नारायण) नहीं, वो भी नर हैं। वो स्त्रीयां नहीं हैं। अरे ये कन्याओं माताओं की जो मुखिया है वो कौन है? कन्याओं माताओं की मुखिया कौन है? (जिज्ञासु-महादेव) अरे कन्याओं-माताओं की मुखिया है? एडवांस पार्टी में स्त्री चोले वाले भी हैं, पुरुष चोले वाले भी हैं। तो जो स्त्री चोले वाली कन्याएं-माताएं हैं उनका मुखिया कौन है रुद्र माला में? अरे रुद्र माला में दो प्रकार के मणके हैं। एक तो पुरुष चोले और एक स्त्री चोले। जो स्त्री चोले में कन्याएं-माताएं हैं उनका मुखिया कौन है? **अरे जो पुरुष चोलाधारी हैं उनका मुखिया कौन है। जिज्ञासु– प्रजापिता। शंकर। जगतपिता। तो कन्याएं–माताएं हैं उनका मुखिया कौन है।** (जिज्ञासु-जगदम्बा) जगदम्बा। तो वो नारी है या पुरुष है? क्या है? क्या है वो? अरे शास्त्रों में शिखण्डी रूप दिखाया है। वो बड़े-बड़े गुरुओं से भी नहीं डरता है, भीष्म पितामह से भी नहीं डरता है। उसको भी नीचा दिखाना चाहता है।

Student: In the Advance Party a woman (*naari*) transforms into Narayan.
Baba: *Naari* to Narayan? They are not *naari* (women) at all. You are seeing the body. If you say that a woman changes to Narayan in the Advance Party, then are you seeing the body or the soul? (Student: Soul) *Arey*, '*naari* to Narayan' does not happen at all. Those who appear as women to you outwardly in the advance party are what? (Student: Narayan) No, they too are men. They are not women. *Arey*, who is the head of the virgins and mothers? Who is the chief of the virgins and mothers? (Student: Mahadev) *Arey*, the head of the **virgins** and **mothers**! There are the ones who have female body as well as the ones who have male body in the Advance party. So, who is the head of the virgins and mothers who have female body in the *Rudramala*? *Arey*, there are two kinds of beads in the *Rudramala*. One [kind] is the [ones in] male body and the other [kind] is the [ones in] female body. Who is the head of the virgins and mothers who are in female body? *Arey*, who is the head of the ones with male body like them? (Student: Prajapita.) Shankar. Jagatpita(the father of the world). So, who is head of the the virgins and mothers? (Student: Jagdamba) Jagdamba. So, is she a woman or a man? What is she? What is she? *Arey*, a form of Shikhandi is shown in the scriptures. He does not fear even big gurus; he does not fear Bhishma *Pitamah* either. He wants to belittle him as well.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

तो जगदम्बा जो है वो हार मानती है क्या? जगदम्बा जगतपिता से पुरुषार्थ में हार मानती है? अपने को नीचा देखती है क्या कि मैं नीची हूँ, तुम ऊँचे हो? नहीं। जब महाकाली का रूप धारण करती है तो कहाँ सवार हो जाती है? छाती के ऊपर सवार हो जाती है। किसके? शंकर के। तो आधीन होने वाली है या अधिकारी है? हँ? अधिकारी होने के संस्कार हैं? नर चोले के संस्कार हैं।

So, does Jagdamba accept defeat? Does Jagdamba accept defeat in front of Jagatpita in the field of *purusharth*? Does she see herself as an inferior one: I am low and you are high? No. When she takes the form of Mahakali, where does she climb? She climbs on the chest. Whose? Shankar's. So, is she the one who becomes subordinate or is she a ruler? Hm? She has the *sanskars* of becoming a ruler? She has the *sanskars* of a male body.

समयः 11.01-15.00

जिज्ञासुः माताजी बोल रही है अभी तो आत्मा का याद करना तो ठीक है। लेकिन आत्मा से भी देह तो याद करते हैं। देह को भी याद करते हैं बार-बार। आत्मा को याद करने का है।

बाबाः प्रैक्टिस मेक्स ए मैन परफैक्ट (practice makes a man perfect) ये बात गलत है क्या?

जिज्ञासुः नहीं बाबा। वो आत्मा ही तो गलत करती है करके महसूस होता है। इसलिए तो वो डरती है। डर होता है करके बोलती है।

बाबाः क्या डर होता है?

जिज्ञासुः वो आत्मा ही सब कुछ गलत करता है करके वो डर।

Time: 11.01-15.01
Student: This mataji says, it is ok to remember the soul now, but along with the soul we remember the body as well. We also remember the body again and again. But we have to remember the soul.
Baba: *Practice makes a man perfect* – Is this wrong?
Student: No Baba. It is the soul which does wrong. This is what we feel. This is why she fears. She says she fears.
Baba: What does she fear?
Student: She fears that it is the soul which does wrong.

बाबाः आत्मा गलत भी करती है। आत्मा सही भी करती है। तो आत्मा को ही ये शिक्षा दी जा रही है कि अपने को हर समय स्टार रूप में देखो। और दूसरों को भी स्टार के रूप में देखो। और ये चेक करो हर समय कि हम आत्मा को, स्टार को देख रहे हैं, स्टार याद है या नहीं याद है? सुबह से शाम तक जबसे जगते हैं तबसे लेके शाम तक हम अपने को चेक करें कि हमें स्टार याद रहता है? और जिसको देखते हैं उसका देह याद आता है या उसका स्टार याद आता है? कान्सन्ट्रेशन हमारा कहाँ रहता है? अगर कान्सन्ट्रेशन स्टार के ऊपर रहता है तो हम आत्माभिमानी हैं। अगर देह दिखाई पड़ती है - ये स्त्री चोला है, ये पुरुष चोला है और अंदर से आकर्षण भी महसूस होने लगा तो क्या हुए? तो देहभानी हो गए। अब प्रैक्टिस करनी है। सुबह उठते उठते फाउन्डेशन ही ऐसा डालना है। सवेरे को उठते फाउन्डेशन ही ऐसा डालना पक्का। क्या? कि जैसे ही हम सवेरे को उठें, वैसे ही मैं आत्मा हूँ। मैं स्टार हूँ। पक्का

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

करना है। क्या? इधर-उधर बुद्धि भागेगी, कंट्रोल में नहीं आयेगी, लेकिन फिर भी पक्का करना है। कूटना है मैं आत्मा हूँ, मैं स्टार हूँ।

Baba: A soul does wrong as well as right things. So, the soul itself is being given the teaching that always consider yourself as a *star* as well as consider the others as a *star*. And check all the time, whether we are seeing the soul, the star; whether we remember the star or not? From morning to evening, from the time we wake up to the evening we should check ourselves whether we remember the star. And whoever we see, do we remember his body or do we remember his *star* (i.e. soul)? Where is our *concentration?* If our *concentration* is on the star we are soul conscious. If we see the body – this is a female body, this is a male body and if you start feeling attraction for him/her, then what are you? You are body conscious. Now you have to *practice*. As soon as you wake up in the morning, you have to lay such *foundation* itself. As soon as you wake up in the morning, you have to lay such firm foundation itself. What? As soon as you wake up, (start thinking:) I am a soul. I am a *star*. You have to make it firm. What? The intellect will wander here and there, it will not come under your *control*, yet you have to make it firm, you have to practice, I am a soul, I am a star.

(जिज्ञासु ने तमिल में कुछ कहा) प्रैक्टिस मेक्स ए (मैन परफैक्ट)। अभ्यासेन तु कौन्तेय वैराग्येण च गृह्यते। ये दुनिया से वैराग आ जाए। ये दुनिया खत्म होने वाली है, नष्ट होने वाली है। ये महल माड़ियां अटारियाँ, ये टीवी, ये एरोप्लेन सब खलास होने वाले हैं। ये कार, ये मोटर कार, ये सब खत्म होने वाली है। क्या रहेगा? मैं आत्मा ज्योतिबिन्दु। इन आँखों से जो कुछ देखते हैं वो सब खलास होने वाला है। तीस साल, ज्यादा नहीं। तीस साल के अन्दर। अभी का नहीं बताया है। कबसे बताया हुआ है? जब से 100 साल का संगमयुग बताते चले आए हैं, तभी से ये बात क्लीयर हो गई। ये कलियुगी दुनिया 100 साल से ज्यादा नहीं चलेगी। जब खतम ही होना है, तो अभी से पक्का क्यों न कर दे? बहुत बड़ी प्रैक्टिस करनी है - मैं आत्मा हूँ। वो तो गीत गाते हैं। क्या? तथाकथित ब्रह्माकुमार-कुमारियाँ। हम हैं आत्मा, तुम हो आत्मा, आपस में भाई-भाई। और कोर्ट कचहरियां करते ही रहते हैं।

(Student said something in Tamil) Practice makes a (man perfect). *Abhyasen tu kaunteya vairagyen cha gruhyate*[2]. You should feel detached from this world. This world is going to end, going to be destroyed. These palaces, buildings, this TV, aeroplane, everything is going to perish. These cars, these motor-cars are all going to perish. What will remain? I am a soul, a point of light. Whatever you see through these eyes, all that is going to perish. Thirty years, not more [than that]. Within thirty years. It was not said now. It was said long before? Ever since the Confluence Age is mentioned to be of 100 years, this fact became clear. This Iron-Age world will not last for more than 100 years. When it is going to perish anyway, why can't we make it firm from now itself? You have to practice a lot – I am a soul. They just sing a song. What? The so-called Brahmakumar-kumaris (say) 'I am a soul, you are a soul…; we all are brothers among ourselves'. And (on the other hand) they keep filing cases in courts. …(to be continued).

[2] Practice, O son of Kunti, then you will achieve the feeling of detachment

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Extracts-Part-3

समयः 15.01-19.00

जिज्ञासुः बाबा, सेलम में तो शिवलिंग, ज्योतिर्लिंग का चल रहा है। ज्योतिर्लिंग।

बाबाः कहाँ?

जिज्ञासुः अभी सेलम में चला था अभी पांच दिन।

बाबाः क्या?

जिज्ञासुः बीकेज़ में बाबा, एक्जिबिशन चल रहा । उधर हम गये। उधर तो बुलाया हमको। माउंट आबू से आपको बुलाया है। आप तो बहुत पुराने हैं। इसीलिए आपको गिफ्ट देने के लिए बोला है। आप लोग आना करके बुलाया है।

बाबाः वंचित आत्माएं हैं उनको बुलाया है। जो वंचित हो गई हैं उनको बुलाया है? उनको कहो, बुलाने; जिन्होंने पहचाना होगा वो ही दूसरों को बुलाय सकेंगे। जिन्होंने पहचाना ही नहीं है वो दूसरों को बुला कैसे सकेंगे?

Time: 15.01-19.00

Student: Baba, the function of *Shivling, Jyotirling* is going on in Salem.

Baba: Where?

Student: It was organized recently for five days in Salem.

Baba: What?

Student: An exhibition is organized among the BKs. We went there. They called us there. [They said:] You have been called to Mount Abu. You are very old (students). This is why you have been called to be presented with a gift. They have asked us to come.

Baba: They have called the deprived souls! Have they called the deprived ones (*vanchit*)? Tell them: Only those who have recognized [the Father] will be able to call others. How will those who haven't recognized [the Father] at all call others?

वंचित आत्माओं को बुलाना - ये एडवांस पार्टी वालों का काम है। जो वंचित हो चुकी हैं बेसिक नालेज से, बेसिक नालेज ले रही थीं और वहाँ से टूट चुकी हैं उनको कोई नहीं उठा सकता। उनको उठाने वाले सिर्फ एडवांस वाले हैं। जिन्होंने खुद बाप को पहचाना होगा वो ही उनको उठावेंगे, वंचित आत्माओँ को। दूसरा कोई नहीं उठा सकता। हनूमान चाहिए, हनूमान मिसल। हनूमान क्या काम करता है?

जिज्ञासुः संजीवनी।

बाबाः संजीवनी बूटी लाता है। ये संजीवनी बूटी क्या है?

जिज्ञासुः ज्ञान।

बाबाः ये ज्ञान की बूटी ही संजीवनी बूटी है। ये पहाड़ों से आती है। क्या?

जिज्ञासुः संजीवनी।

बाबाः ये पहाड से आती हैा पहाड़ माना ऊँची स्टेज। ऊँची स्टेज से ये आती है। और जो ऊँची स्टेज में रहने वाले हैं वो ही उसको दे पाते हैं। क्या? विकारों की नीची स्टेज में रहते हैं वो इस ज्ञान की संजीवनी बूटी दूसरों को नहीं दे पाते। पुरुषार्थ की ऊँची-ऊँची उड़ान में उड़ना

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

पड़े। हनूमान मिसल। तब वो संजीवनी बूटी का दूसरों के ऊपर असर होगा। नहीं तो असर नहीं होगा। उनको समझाओ उलटा। क्या? तुम क्या हमको संजीवनी बूटी सुंघाओगे? हम तो सूंघे बैठे हैं।

To call the deprived souls is the task of those who belong to the Advance party. Those who have been deprived from the Basic knowledge; those who were obtaining Basic knowledge and have broken away from there, no one can uplift them. Only those who follow the Advance knowledge [can] uplift them. Those who have recognized the Father themselves will uplift them, the deprived souls. Nobody else can uplift them. Hanumans are required, Hanuman like [souls are required]. What does Hanuman do?

Student: *Sanjivani…*

Baba: He brings *sanjivani booti* (a life-giving herb). What is this *sanjivani booti*?

Student: Knowledge.

Baba: This herb of knowledge itself is the *sanjivani booti*. It comes from the mountains. What?

Student: *Sanjivani.*

Baba: It comes from mountain. Mountain means high stage. It comes from high stage. And only those who remain in high stage are able to give it. What? Those who remain in the low stage of vices cannot give the *sanjivani booti* of this knowledge to others. You have to fly high in the plane of *purusharth* like Hanuman. Then that *sanjivani booti* will have an effect on others. Otherwise there will not be any effect. Explain to them instead. What? How can you make us smell the *sanjivani booti*? We have already smelled it.

जिज्ञासुः सभी पुराने आत्माओं को बाबा तो उधर माउंट आबू में बुलाया। आप लोगों को सभी को हम लेके जाते हैं। उधर आना। बाबा तो आप लोगों को गिफ्ट देते हैं। इसीलिए बुलाया है आपको इन्विटेशन है।

बाबाः उनको समझाओ मुरली का प्वाइंट देके कि बाबा किसको कहा जाता है। बाबा कहा जाता है साकार और निराकार के मेल को। वहाँ तो।

जिज्ञासुः उनकी बुद्धि में तो नहीं बैठता है ना बाबा।

बाबाः वहाँ जो सोल प्रवेश करती है वो आकारी है। निराकार तो आता ही नहीं है गुल्ज़ार दादी में। उनको उल्टा समझाना शुरु कर दो। बाबा तो... मुरली में बोल दिया है। साकार निराकार के मेल को बाबा कहा जाता है। जैसे ब्रह्मा बाबा साकार थे। उसमें ज्योति बिन्दु ने प्रवेश किया। ज्योति बिन्दु है निराकार। प्रवेश करने से ब्रह्मा बाबा कहा गया। ऐसे ही... ब्रह्मा ने तो शरीर छोड़ दिया। गुल्ज़ार दादी कहो। तो गुल्ज़ार दादी में तो शिव की प्रवेशता साबित ही नहीं होती। गुल्ज़ार दादी तो जन्म से पवित्र है, कन्या है। कन्या के तन में तो शिवबाबा पवित्र तन में आते ही नहीं।

Student: (The BKs say that) Baba has called all the old souls there at Mount Abu. We will take all of you people. Come there. Baba will give you gifts. This is why you have been given an invitation.

Baba: Explain to them by quoting a Murli point, who is called Baba. The combination of corporeal and incorporeal is called Baba. There...

Student: It does not sit in their intellect Baba.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: The soul that enters there is subtle [bodied](*akaari*). The incorporeal One does not come in *Dadi* Gulzar at all. You start explaining to them instead. Baba has said in the Merle indeed. The combination of corporeal and incorporeal is called Baba. For example, Brahma Baba was in corporeal form. The point of light entered him. The point of light is incorporeal. Due to the entry he was called Brahma Baba. Similarly... Brahma left his body. You may speak about *Dadi* Gulzar. The entry of Shiva is not proved in *Dadi* Gulzar at all. *Dadi* Gulzar is pure by birth, she is a virgin. Shivbaba does not come in a pure body at all.

शिवबाबा तो दुनिया का जो सबसे जास्ती अपवित्र तन होता है उसमें प्रवेश करता है। अपवित्र ते अपवित्र को आकरके पवित्र ते पवित्र बनाते हैं। पतित तन में आकरके, पतित से पतित कामी कांटे में आकरके उसमें, उसको फूल बनाता हूँ। फूल भी कैसा? किंग फ्लावर। फूलों का राजा बनाता हूँ। गुल्ज़ार दादी में शिवबाबा कहाँ से आ जाएगा? गुल्ज़ार दादी में ब्रह्मा की सोल आती है। ब्रह्मा की सोल आकरके दिव्य गुणों की वाणी चलाती है क्योंकि ब्रह्मा सबसे ऊँचे से ऊँचा देवता है सतयुग का, स्वर्ग का। पहला पत्ता है। उससे ऊँचा देवता, देवता होता ही नहीं।

In fact, Shivbaba enters the most impure body of the world. He comes and transforms the most impure one into the purest one. I come in a sinful body, in the most sinful lustful thorn and make him a flower. And what kind of a flower does He make him? *King flower*. I make him the king of flowers. How can Shivbaba enter *Dadi* Gulzar? Brahma's soul enters *Dadi* Gulzar. Brahma's soul comes and delivers *vani* containing divine virtues because Brahma is the highest deity of the Golden Age, of heaven. He is the first leaf. There is no deity higher than him at all.

समयः 19.04-20. 50

जिज्ञासुः अभी ये दो युगल हैं। ये दोनों को तो पूरा धंधाधोरी में ही घुस जाते हैं। उसो तो अमृतवेला उठना ही नहीं पाते हैं। इसीलिए उसका प्राप्ति कैसा होगा पूछ रहे हैं।

बाबाः उनसे पूछो - पेट में तो पाव भर आटा ही जाता है। उस पाव भर आटे से सब कोई पलते हैं। इससे ज्यादा तो नहीं जाता है? और इतना कमायेंगे, वो सब कहाँ जाएगा? दुनिया में विनाश हो जाएगा? फायदा क्या करेंगे? पूछो। चाहे कोई भी आत्मा कितना भी बड़ा बैंक बैलन्स बना ले, चाहे कितनी भी प्रापर्टी खरीद के डाल दे। वो सब यहीं पड़ा रहेगा या साथ लेके जाएगा?

जिज्ञासुः यहीं पड़ा रहेगा।

Time: 19.04-20.50

Student: (pointing towards a couple) They are a couple. Both of them become totally busy in their business. They are unable to wake up at *amritvela*. This is why they want to ask what will be their attainment.

Baba: Ask them, only 250 grams of wheat flour is consumed by the stomach. Everyone is sustained by 250 grams of wheat flour. It does not consume more than that, does it? And if you earn more, where will it all go? It will be destroyed in the world. What benefit will it bring? Ask them. … It doesn't matter how big a bank balance a soul accumulates , it may purchase a big property to any extent, will all that remain here or will it take them along?

Student: It will continue to lie here.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः वो सब यहीं पड़ा रहेगा। साथ क्या जाएगा?

जिज्ञासुः कुछ भी नहीं।

बाबाः जो पुरुषार्थ करेंगे, जो भगवान को याद करेंगे, दूसरी आत्माओं को जो संदेश देंगे, कल्याण करेंगे, वो ही साथ जाएगा। पेट में तो ये पाव भर आटा भी साथ नहीं जाएगा। ये भी रोज़ खाके रोज़ खलास कर दो।

Baba: All that will continue to lie here. What will go along with them?
Student: Nothing.
Baba: The *purusharth* that you make, the remembrance of God that you do, the message that you give to other souls, the benefit that you bring to others will go with you. Even this 250 grams of wheat flour will not go with you in the stomach. You eat this daily and dispose it daily….(to be continued).

Extracts-Part-4

समयः 21.27-25.55

जिज्ञासुः वो इधर तमिलनाडु में बाबा प्रदोष करके बोलते हैं। वो प्रदोष करके एक दिन आता है। एक महीने में एक बार आता है। उसमें तो नंदी होता है ना। नंदी का ये दो होता है ना। कान ।

बाबाः कान नहीं होते हैं, नंदी के सींग, नंदी के सींग। हां।

जिज्ञासुः उसका बीच में तो शंकर पार्वती को रखके पूजा करते हैं।

बाबाः अच्छा।

जिज्ञासुः इसका अर्थ क्या है बाबा?

बाबाः प्रदोष के दिन?

जिज्ञासुः हां, प्रदोष के दिन बहुत (लोग) जमा होते हैं मन्दिरों में, बहुत जन जाते हैं। दोष निकालने के लिए।

बाबाः माना सिर्फ प्रदोष का दिन एक ऐसा आता है, कौनसे तिथि को होता है?

जिज्ञासुः वो अमावस्या होता है ना बाबा, अमावस्या के तीन दिन के बाद आते हैं।

Time: 21.27-25.55
Student: Baba, here in Tamilnadu, they speak about '*pradosh*'. There is a day named '*pradosh*'. It comes once in a month. On that day Nandi (bull), which has two… Ears.
Baba: Those are not ears; they are Nandi's horns, Nandi's horns. Yes.
Student: Shankar and Parvati are placed between them and are worshipped.
Baba: OK.
Student: What does it mean Baba?
Baba: On the day of *pradosh*?
Student: Yes, on the day of *pradosh* many people gather at the temples. Many people go there. In order to remove their sins.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: It means that only the day of *pradosh* is such that…; it comes on which date?
Student: Baba it occurs three days after *Amavasya* (the day of New moon).

बाबाः अमावस्या के तीन दिन के बाद माना तीजरी। तीजरी की कथा। तीसरा नेत्र खुलने की कथा। जो तीजरी की कथा है... द्वादषी, दूज।
जिज्ञासुः त्रयोदशी।
बाबाः त्रयोदशी नहीं।
जिज्ञासुः द्वादशी।
बाबाः नहीं। प्रतिपदा। प्रतिपदा के बाद दूज, और तीज। माने तीज है तीसरा नेत्र खुलने की कथा। माने जो तीसरा नेत्र है वो खुल जाता है। किसका? वो बैल का। बैल कौन है?
जिज्ञासुः प्रजापिता।
बाबाः नहीं। प्रजापिता बैल है?
जिज्ञासुः ब्रह्मा।
बाबाः ब्रह्मा की सोल बैल है। जब शिव का मन्दिर दिखाते हैं, तो शिव के मन्दिर में बीच में शिवलिंग है। है? शिवलिंग जो है वो जलाधारी में रखा हुआ है। तो जलाधारी हो गई माता। जलाधारी हो गई माता। कौन माता? पार्वती माता। और जो शिवलिंग है, वो शिवलिंग हो गया प्रजापिता। उसमें जो बिन्दु है (सबने कहा - शिवबाबा) वो शिवबाबा। शिव, ज्योतिबिन्दु। और जो बैल बैठा हुआ है वो कौन है?
जिज्ञासुः ब्रह्मा।
Baba: Three days after *amavasya* means *teejri*. The story of *teejri*. The story of the third eye being opened. The story of *Teejri. Dwadashi, dooj*….
Student: *Trayodashi*.
Baba: It is not *trayodashi*.
Student: *Dwadashi.*
Baba: No. *Pratipada*. *Dooj* comes after *Pratopada* and then *teej.* It means that *teej* is the story of the third eye being opened. It means that the third eye is opened. Whose? Of that bull. Who is the bull?
Student: Prajapita.
Baba: No. Is Prajapita the bull?
Student: Brahma.
Baba: Brahma's soul is the bull. When the temple of Shiva is shown, there is a *Shivling* in the center of the temple of Shiva. Hm? *Shivling* has been placed on the *jaladhari*[3]. So, the *jaladhari* is the mother. *Jaladhari* is the mother. Which mother? Mother Parvati. And the *Shivling* is Prajapita. And the point in it (everyone said – Shivbaba) It is Shivbaba. Shiva, the point of light. And who is the bull sitting (in front of the *Shivling*)?
Student: Brahma.

[3] The cup containing the lingam

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः ब्रह्मा की सोल। वो ब्रह्मा की सोल (की) अभी बुद्धि में नहीं बैठा है कि ये सारी कन्याएं, माताएं हमारी माता हैं। ये 16000 गोपियाँ नहीं हैं मेरी। जब तक ये बुद्धि में नहीं बैठा है तब तक माता का भाव रहेगा या 16000 गोप-गोपियों का भाव रहेगा?

जिज्ञासुः 16000 गोपियों का।

बाबाः 16000 रानियों का भाव रहेगा या माता का भाव रहेगा? गीता का भगवान, कृष्ण की सोल बुद्धि में कब बैठाएगी? पहले बैठाएगी या बाद में बैठाएगी? बाद में क्यों बैठाएगी? हमारी बुद्धि में तो आ गया की गीता का भगवान शिव है। कृष्ण की सोल नहीं है। कृष्ण तो वास्तव में गीता का साकार भगवान हो ही नहीं सकता। गीता का भगवान तो निराकार शिव शंकर भोलेनाथ हो सकता है। अगर मुरली शिव ने प्रवेश करके दादा लेखराज में सुनाई, तो सुनी और दूसरों को सुनाई। समझी?

जिज्ञासुः नहीं समझी।

Baba: Brahma's soul. It has not yet come in the intellect of Brahma's soul that all these virgins, mothers are my mothers. These are not my 16000 *gopis*. Unless his intellect has understood this, will he have the feeling of mother or will he have the feeling of *gop-gopis* (towards the virgins and mothers)?

Student: Of 16000 *gopis*.

Baba: Will he have the feeling of 16000 queens or the feeling of a mother? When will the soul of Krishna make the [topic of] God of the Gita sit in his intellect? Will it make it sit first or later? Why will it make it sit later? It has sat in our intellect that the God of the Gita is Shiva. It is not the soul of Krishna. Actually, Krishna cannot be the God of the Gita in corporeal at all. The incorporeal Shiva Shankar Bholenath can be the God of the Gita. If Shiva entered Dada Lekhraj and narrated Murli through him, he just heard it and narrated it to others. Did he understand it?

Student: He did not understand.

बाबाः समझी नहीं तो फायदा क्या हुआ? फिर गीता का भगवान किस बात का? गीता का भगवान होगा तो सुनेगा भी, समझाएगा भी, और समझेगा भी। सुनना-सुनाना भी करेगा, समझना-समझाना भी करेगा, और प्रैक्टिकल करा के भी जाएगा। तीनों मूर्तियों का पार्ट बजाके जाएगा। तब उसे कहेंगे शिवबाबा भगवान, गीता का भगवान। तो दादा लेखराज की बुद्धि में अभी तक भी नहीं बैठा है। इसलिए वो बैल जो है सींग दिखाए गए हैं। उन दोनों सींगों के बीच में जब बैलेंस बन जाए कि ये माता है, और ये हमारा पिता है। यज्ञ के आदि में भी ये माता-पिता है और ये हमारा पिता है। यज्ञ के आदि में भी ये माता-पिता थे उनके जिन्होंने समझाया था दादा लेखराज को कि तुम्हारे साक्षात्कारों का ये अर्थ है। तब उनको अपने स्वरूप का ज्ञान हुआ था कि मैं ब्रह्मा की सोल हूँ। मैं कृष्ण के रूप में सतयुग में जाके जन्म लूंगा। मैं कृष्ण बच्चा हूँ। मैं कृष्ण बच्चा जाकरके बनूंगा। ये पक्का बुद्धि में बैठ गया कि नहीं? तो जन्म देने वाला कौन हुआ? वो ही माता-पिता।

Baba: When he did not understand at all, what is the benefit? Then how can he be the God of the Gita? If he is the God of the Gita, he will listen as well as explain, and also understand. He will listen as well as narrate, he will understand as well as explain and also enable others

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

to do in practical. He will perform the *part* of all the three *murtis*. Then he will be called God, Shivbaba, the God of the Gita. So, this has not sat in the intellect of Dada Lekhraj's intellect so far. This is why the bull has been shown with horns. When a balance is created between those two horns that this is our mother and this is our father. They were his mother and father in the beginning of the *yagya* as well; they explained to Dada Lekhraj : this is the meaning of your visions. Then he realized his form: I am the soul of Brahma. I will be born in the Golden Age as Krishna. I am child Krishna. I will become child Krishna. Did this sit in his intellect firmly or not? So, who gives birth? The same parents …(to be continued)

Extracts-Part-5

समयः 26.10-33. 50

जिज्ञासुः ये माताजी पूछ रही है वो पौर्णमी आता है ना, अमावस्या आता है, तब वो सागर में लहरें आते हैं बाबा, ऊपर-ऊपर। उसका कारण क्या है? ज्ञान में इसका बेहद का अर्थ क्या है।

बाबाः पृथ्वी है बीच में। ये पृथ्वी है। इधर चन्द्रमा है। ये पृथ्वी है, इधर चन्द्रमा है। इधर सूरज है। तो जब सूरज पृथ्वी के ऊपर रोशनी डालता है और चन्द्रमा बिल्कुल सामने है तो पृथ्वी की रोशनी चन्द्रमा के ऊपर पड़ती है। क्या? पृथ्वी की परछाया में, पृथ्वी के प्रभाव में, पृथ्वी माता के प्रभाव में। क्या? जगदम्बा के प्रभाव में, ज्ञान चन्द्रमा की सोल आ जाती है। तो अन्धेरा हो जाता है। परछाया पड़ती है माना पृथ्वी वाले क्या समझते हैं? पृथ्वी वाले समझते हैं अंधेरा है। चन्द्रमा के ऊपर अज्ञान अंधेरा फैला हुआ है। ऐसे ही समझते हैं ना। हाँ, तो वो है अमावस्या। क्या? अम्मा आकरके उस ज्ञान चन्द्रमा के दिल में बसी है आके। अम्मा बसी आय। अम्मा बस्या। अमावस्या नाम रख दिया। जो भी शास्त्रों में शब्द हैं, उनके अर्थ हैं । जो ज्ञान चन्द्रमा ब्रह्मा है, उस ब्रह्मा के दिल में कौन आके बस गई? अम्मा। पृथ्वी अम्मा जो है, पृथ्वी माता है, वो उसके दिल में आके बस गई। दिल में आके, कोई किसी के दिल में बस जाता है, क्या? कोई किसी के दिल में बस जाए तो कहेंगे उसपे फिदा हो गया कि नहीं?

Time: 26.10-33.50

Student: This mother is asking – On the night of Full moon (*paurnami*), New moon (*amavasya*), high tides occur in the ocean Baba. What is its reason? What is its unlimited meaning in the knowledge?

Baba: (showing with his hands) The Earth is in the center. This is the Earth. The Moon is here. This is the Earth; the Moon is here. The Sun is here. So, when the Sun throws its light on the Earth and the Moon is right in front of it, then the light (i.e. shadow) of the Earth falls on the Moon. What? In the shadow of the Earth, under the influence of the Earth, under the influence of the mother Earth; What? The soul of the Moon of knowledge comes under the influence of Jagdamba. Then there is darkness. The shadow is cast means… what do the residents of the Earth think? The residents of the Earth think that there is darkness. The darkness of ignorance has spread on the Moon. They think like that, don't they? Yes, so that is *amavasya*. What? The Mother (*amma*) came (*aakarke*) and occupied (*basi*) the heart of the Moon. The mother came and has settled [there] (*amma basi aay*). *Amma vasya*. The name *Amavasya* was given. All the words in the scriptures have meaning. Who came and settled in

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

the heart of the Moon of knowledge Brahma? The Mother (*Amma*). The Mother Earth came and settled in his heart. Someone comes and settles in someone's heart. What? When someone settles in (i.e. occupies) someone's heart, then it will be said that he became devoted to him/her or not?

तो कौन फिदा हो गया? ज्ञान चन्द्रमा ब्रह्मा किसके ऊपर फिदा हो गया? (जिज्ञासु - पृथ्वी के ऊपर) पृथ्वी माता के ऊपर फिदा हो गया। किस रूप में फिदा हो गया? पति परमेश्वर के रूप में फिदा हो गया या बच्चे के रूप में फिदा हो गया? आज कल की दुनिया में घर-घर में माताओं के ऊपर बच्चे हावी हुए पड़े हैं या माताओं के कंट्रोल में हैं? हँ? कंट्रोल कर रहे हैं माताओं को। खुदा न खास्ता अगर बाप शरीर छोड़ दे, तो जो बच्चे हैं, बड़े होकरके माँ को पूरा अपने कब्जे में ले लेते हैं। ये गीता का भगवान बन गया। घर-घर में गीता का भगवान बने बैठे हैं। गीता का भगवान माने पति परमेश्वर। गीतापति, गीता माता के पति, भगवान बनकरके बैठे हैं। इसकी शुरुआत करने वाला कौन है? इस परंपरा की शुरुआत करने वाली आत्मा कौन? कृष्ण की सोल। कृष्ण की सोल वास्तव में जिस माता ने यज्ञ की आदि में उसको जन्म दिया था कि तू कृष्ण बच्चा है, उसी माता के ऊपर हावी होकरके बैठा है। उसमें प्रवेश कर उसकी बुद्धि को ही डायवर्ट कर देता है। गीता माता का पति परमेश्वर बन करके बैठ गया। जुलुम कर दिया।

So, who became devoted? To whom did the Moon of knowledge Brahma become devoted? (Student: The Earth) He became devoted to Mother Earth. In which way did he become devoted? Did he become devoted in the form of *pati parmeshwar* (husband, the lord) or in the form of a child? In today's world, in every house are the children dominant over the mothers or are they under the *control* of the mothers? Hm? They are controlling the mothers. By chance, if the father leaves his body, then the children, after growing up, take the mother completely under their control. He became the God of the Gita. They are sitting as the God of the Gita in every home. The God of the Gita means *pati parmeshwar*. They are sitting as *Gitapati* (husband/lord of Gita), the husband, God of Mother Gita. Who starts this? Which is the soul that starts this tradition? The soul of Krishna. Actually, the soul of Krishna has become dominant over the same mother who had given birth to him in the beginning of the *yagya* by telling him: you are child Krishna. He enters her and diverts her very intellect. He sat as husband, God of Mother Gita. He committed an atrocity (*julam kar diya*).

जिज्ञासुः जुलुम करना माना क्या बाबा?

बाबाः जुलुम करना माना बहुत अत्याचार कर दिया। ये बात बुद्धि में बैठे कि कृष्ण वाली आत्मा गीता का भगवान नहीं है। 2500 वर्ष से कृष्ण वाली आत्मा इस दुनिया में मौजूद है। और कृष्ण वाली आत्मा ये सुनती चली आ रही है। क्या? क्या सुनती चली आ रही है? 2500 वर्ष से गुरुओं के द्वारा क्या सुना? यही सुना कि गीता का भगवान कौन? कृष्ण की सोल। अभी अंतिम जन्म में उसको पता चल गया। क्या पता चल गया? कि गीता का भगवान, कौन? कृष्ण नहीं है, शिव है। लेकिन बात बुद्धि में बैठती है क्या? (जिज्ञासु - नहीं बैठती) वो तो समझते हैं गीता का भगवान मैं ही हूँ। मेरे द्वारा ही भगवान साकार में आकरके ज्ञान

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

सुनाता है। और कोई के द्वारा ज्ञान सुनाता ही नहीं। ब्रह्मा की बुद्धि में ही ये बात नहीं बैठी हुई है तो ब्रह्माकुमारियों की बुद्धि में कैसे बैठेगी?

Student: Baba, what is meant by *'julum karna'*?
Baba: *'Julum karna'* means committing great atrocity. It should sit in the intellect that the soul of Krishna is not the God of the Gita. The soul of Krishna is present in this world for 2500 years. And the soul of Krishna has been listening to this. What? What has it been listening to? What did it listen to from gurus for 2500 years? It heard this very thing, who is the God of the Gita? The soul of Krishna. It came to know now in the last birth. What did it come to know? That, who is the God of the Gita? It is not Krishna, it is Shiva. But does the subject sit in his intellect? (Student: It doesn't) He thinks that he alone is the God of the Gita. God comes and narrates the knowledge in corporeal form through him only. He does not narrate knowledge through anyone else at all. This topic has not sat in the intellect of Brahma himself, then how will it sit in the intellect of Brahmakumaris?

जिज्ञासुः मुश्किल है। तो अंत में कैसे आ जाएगा बाबा? अंत में तो विजयमाला तो आना ही है ना।

बाबाः जब तक उस बच्चे का, जब तक उस माता का उद्धार नहीं हुआ है - एक के पतित बनने से सब पतित बन जाते हैं। एक के पावन बनने से सब पावन बन जाते हैं। एडवांस पार्टी ये जो खड़ी हुई है, उसका आधार कौन है? एडवांस पार्टी जो अभी खड़ी हुई है, ब्रह्माकुमार-कुमारियों के सामने, दुनिया के सामने, उसका आधार कौन है? (जिज्ञासु - शंकर) नहीं, शंकर तो बीज है। आधार कहाँ है? कौन है? (जिज्ञासु - राम वाली आत्मा) अरे! राम वाली आत्मा तो बीज है। (जिज्ञासु - ब्रह्मा बाबा) ब्रह्मा बाबा तो एडवांस पार्टी में प्रवेश करने वाला है। साकार में कौन है आधार? (जिज्ञासु - प्रजापिता) अरे! प्रजापिता बीज है या आधार है? आधार माने जड़। (जिज्ञासु - जगदम्बा) (दूसरा जिज्ञासु - कमला दीक्षित) हाँ, कमाला देवी दीक्षित। वो आधार है। वो न निकली होती, अगर वो ही नहीं निकली होती, जगदम्बा ही नहीं निकली होती, तो ये सब यहाँ बैठे होते क्या? ये 600-700 जो कन्याएँ माताएँ सरेंडर हो गई हैं, वो सरेंडर हो गई होती क्या? हँ? नहीं सरेन्डर हो गई होतीं। तो जब तक आधार का उद्धार नहीं होगा तब तक किसी का उद्धार नहीं होगा। पहले माता गुरु का उद्धार होना चाहिए। दिल्ली का सुधार सारी दुनिया का सुधार। दिल्ली का परिवर्तन सारे भारत का परिवर्तन हो जाता है। ये अव्यक्त वाणी में बोला है। तो दिल्ली कौन है? (जिज्ञासु - जगदम्बा) जगदम्बा दिल्ली है।
Student: It is difficult. So, how will it sit in his intellect in the end Baba? *Vijaymala* has to come in the end, hasn't it?
Baba: As long as that child, that mother is not uplifted – when one becomes impure everyone becomes impure. When one becomes pure, everyone becomes pure. The Advance Party, which is standing today…, who is its support? This Advance Party which has come up in front of the *Brahmakumar-kumaris*, in front of the world, who is its base/support? (Student: Shankar) No. Shankar is the seed. How is he the base? Who is the support? (Student: The

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

soul of Ram) Arey! The soul of Ram is the seed. (Student: Brahma Baba) Brahma Baba is the one who enters the (the members of) the Advance party. Who is the base in corporeal? (Student: Prajapita) Is Prajapita the seed or the base? Base means root. (Student: Jagdamba) (Second student: Kamala Dixit) Yes, Kamala Devi Dixit. She is the base. Hadn't she come in (knowledge), had she not come in (knowledge) at all, had Jagdamba not come at all, then would all these people be sitting here? Would these 600-700 virgins and mothers have surrendered? Hm? They would not have surrendered. So, as long as the base is not uplifted, nobody can be uplifted. First the mother guru should be uplifted. The reformation of Delhi means the reformation of the entire world. Transformation of Delhi means transformation of entire India. This has been said in *Avyakta Vani*. Who is that Delhi? (Student: Jagdamba) Jagdamba is *Dilli* (Delhi).

जिज्ञासुः ये माताजी पूछ रही है वो लहरें आती हैं ना बाबा, ऊपर ऊपर लहर आता है वो टाइम में हमारे मन चंचल होगा क्या ?

बाबाः अब अंधेरा होगा, जब ज्ञान चन्द्रमा ब्रह्मा ही अंधेरे में होगा तो सबका मन चंचल होगा ना। पहला पत्ता ही जब हिलेगा-डुलेगा तो सब हिलेंगे-डुलेंगे नहीं?

जिज्ञासुः बाबा वो ही दिन अमावस्या, पूर्णिमा के दिन भूत-प्रेत को बुलाते हैं।

बाबाः हाँ, जी। भूत-प्रेतों का जो जमावड़ा होता है वो अमावस्या के दिन ही होता है। क्यों अमावस्या के दिन होता है? यहाँ की परंपरा अभी पड़ रही है। अभी भूत-प्रेत आत्माओं की पूजा कर रही है ब्रह्मा कुमारियां। तांत्रिक प्रक्रियाएं कर रही हैं। तांत्रिकों के घरों में चक्कर लगा रही हैं।

जिज्ञासुः वो दिन क्या होगा बाबा जो रोगी होते हैं, वो अधिक हो जाएगा रोग।

बाबाः और अभी रोग बढ़ेंगे। भूत-प्रेत आत्माएं प्रवेश करके रोगों की वृद्धि कर देंगी।

जिज्ञासुः नहीं बाबा, साधारण वाले भी ऐसे ही बोलते हैं।

बाबाः साधारण वाले नहीं। प्रवेश कर रहे हैं इस समय। हाँ। सारा ज्ञान होते हुए भी बुद्धि में से सारा ज्ञान उड़ जाता है। विरोधी संकल्प ही आते हैं।

Student: Baba, this mataji is asking – why does our mind become inconstant when those tides rise high?

Baba: When there is darkness, when the Moon of knowledge Brahma himself is in darkness, then everybody's mind will be inconstant, will it not? When the first leaf itself shakes, then won't everyone shake?

Student: Baba, on that day, on the day of New moon (*amavasya*), Full-moon (*poornima*), ghosts and spirits are invoked.

Baba: Yes. The gathering of ghosts and spirits happens on the very day of New moon (*amavasya*) . Why does it take place only on *amavasya*? This tradition is being laid at this time. The *Brahmakumaris* are worshipping the ghosts and spirits. They are practicing black magic (*tantric parikriyayen*). They are visiting the homes of *tantriks*[4].

Student: Baba what happens is that on that day the patients' disease increases.

Baba: The diseases will increase even more. The ghosts and spirits enter them and increase the diseases.

Student: No Baba, even the ordinary ones speak like this.

[4] Those who practice black magic

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Not the ordinary ones. They are entering at this time. Yes. Despite having the entire knowledge, the entire knowledge vanishes from the intellect. Only opposing thoughts emerge….(to be continued)

Extracts-Part-6

समयः 34.00-35.30

जिज्ञासुः बाबा तो वाणी में बोला है प्रजापिता तो डालना है, लेकिन किधर भी अभी तक नहीं डाला प्रजापिता करके। अभी सेलम में तो ज्योतिर्लिंग का तो वो फंक्शन चला।

बाबाः बीकेवालों ने नहीं डाला या पीबीकेवालों ने नहीं डाला?

जिज्ञासुः बीकेवालों ने नहीं डाला।

बाबाः वो बाप को पहचानते ही नहीं तो डालेंगे क्यों?

जिज्ञासुः वह भाई पूछ रहे हैं बाबा अभी तक भी कोई नहीं डाला।

बाबाः उनकी बुद्धि में बाप की पहचान ही नहीं है।

जिज्ञासुः नहीं बाबा, अभी पांच दिन चला है इधर सेलम में उधर तो प्रजापिता करके अभी डाला है।

बाबाः वो तो प्रजापिता ब्रह्माकुमारी लिखते ही हैं आश्रम में लेकिन अपने को प्रजापिता ब्रह्माकुमार नहीं कहते।

Time: 34.00-35.30
Student: Baba has said in a *vani* that you have to add [the word] Prajapita. But [the word] Prajapita has not been added anywhere. Recently the function related to *jyotirling* was organized in Salem.
Baba: Didn't BKs add it or didn't the PBKs add it?
Student: The BKs did not add it.
Baba: They do not recognize the Father at all; so why will they add it?
Student: Baba, that brother is asking that nobody has added (the word Prajapita) so far.
Baba: Their intellect has not recognized the Father at all.
Student: No Baba, they have added Prajapita at the function which was organized here in Salem for five days.
Baba: Yes. They do write Prajapita Brahmakumari on their ashrams, but they do not call themselves Prajapita Brahmakumar.

जिज्ञासुः अपने को नहीं कहते हैं पीबीके।

बाबाः जब अपने को ही नहीं जाना कि हम प्रजापिता के बच्चे हैं, अम्मा के बच्चे हैं, अम्मा बाप दोनों के बच्चे हैं, तो फिर बोलने से क्या फायदा? आश्रम के ऊपर लिख दिया प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय। लेकिन अर्थ नहीं समझते।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः वो लोग लिखा है बाबा ऐसा कोई एक पैम्फलेट में लिखा है, शिव परकाया प्रवेश किया लिखना है, लेकिन वो लोग लिखा है शिव अवतार लिया है करके लिखा है। वो तो गलत हो जाएगा ना बाबा।

बाबाः नहीं, अवतार लेने का मतलब है ऊपर से नीचे आना।

जिज्ञासुः परकाया प्रवेश होना माना।

बाबाः परकाया प्रवेश होना माना - पर की काया में, दूसरे की काया में प्रवेश करना।

जिज्ञासुः दोनों का अर्थ एक ही है बाबा?

बाबाः अर्थ एक ही है।

Student: They do not call themselves PBKs.
Baba: When they have not realized themselves as the children of Prajapita, children of the mother, children of the mother as well as the father, then what is the use of just saying (Prajapita Brahma)? They have written on the ashram – *Prajapita Brahmakumari Ishwariya Vishwavidyalaya*. But they do not understand the meaning.
Student: Baba, those people have written, they have written on a pamphlet that Shiva has incarnated but they should write that Shiva has entered, so it is wrong, isn't it?
Baba: No. To incarnate means coming down from above.
Student: What is meant by *parkaya pravesh*?
Baba: *Parkaya pravesh* means – entering in the body of someone else.
Student: Baba, do both of them mean the same?
Baba: Both mean one and the same.

जिज्ञासुः ये माताजी पूछ रही है कि अमावास्या के दिन निम्बू, मिर्ची, वो सभी तीन जगह...

बाबाः ये जो निम्बू है न, ये निम्बू है खट्टा, कहते है न ऐसी बात कह दी तुमने हमारा मुह खट्टा कर दिया। एक तो नमक, एक मिर्च, लाल मिर्च खास और एक निंबू ये तीनों चीजें जो है वो नमकीन तैयार करती है बढिया। और फरूखाबादी नमकीन बहुत प्रसिद्ध है। कहां का नमकीन? फरूखाबाद का नमकीन। इसका मतलब फरूखाबाद का जो नाम लिखा है मुरली में फरूखाबाद का मालिक। फरूखाबाद के लोग मालिक को बहुत मानते हैं। मालिक माने विश्व का मालिक। तो वो विश्व का मालिक ऐसी वाणी उच्छारन करता है जिससे नमकीन मुह हो जाता है। खट्टा मुह हो जाता है।

Student: This mataji is asking that on the day of New Moon, lemon, chilli…. all these… in three places…..
Baba: Lemon, this lemon is sour; it is said, isn't it? 'You said such a thing that you have made my mouth sour.' One is salt, another is chilli, especially red chilli and another is lemon, these three things [are used to] prepare very nice *namkeen* (salted snacks). And the *namkeen* of Farrukhabad is very famous. The *namkeen* of where? *Namkeen* of Farrukhabad. This means that the name of Farrukhabad which has been mentioned in the murli, the master of Farrukhabad… the people of Farrukhabad believe a lot in the Master. Master means the Master of the world. So that Master of the world speaks such a *vani,* which makes the mouth salty. The mouth becomes sour.

जिज्ञासुः वो क्यों फेंकना बाबा सभी को ऐसा...

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः हां। वो वाणी जब चलाई जायेगी तो भूत प्रेत आत्मायें भागेंगी। उनकी बुद्धि में ज्ञान नहीं है न। वो एडवान्स ज्ञान उनको सुनाया जाये, जो एडवान्स ज्ञान बहुत तीखा है। इतना तीखा है की वो लोग सुनना भी नहीं चाहते। उनकी कानों में खुजली होने लगती है। कान बंद कर लेते हैं। अल्ला हो अल्ला भगवान को याद करो, शिवबाबा को याद करो। ज्ञान व्यान नहीं। ज्ञान धरा रहने दो, हमने बहुत सुना।

Student: Why do they throw that on everybody like that Baba?
Baba: Yes. When that vani is narrated, the ghosts and spirits will run away. They don't have knowledge in their intellect, do they? If that advance knowledge is narrated to them… the advance knowledge which is very hot(spicy), so hot that those people don't even wish to listen to it. Their ears start itching. They close their ears. [They say:] Allah O Allah, remember God. Remember Shivababa. No [need of the] knowledge. Let the knowledge remain where it is, we have heard enough of it.

समयः 37.36-38.40

जिज्ञासुः वो भाई पूछ रहा है - शिव का मन्दिर में तो वो नंदी सामने रखता है। वो क्यों करके पूछ रहे हैं।

बाबाः वो ब्रह्मा की सोल ही सदैव रहती है एडवांस पार्टी में ब्रह्मा की सोल जहाँ-जहाँ कहीं भी ज्ञान सुनाया जाता है, जहाँ-जहाँ-कहीं भी क्लास होता है वो हनूमान की आत्मा तैयार रहेगी सुनने के लिए। इसलिए भक्तिमार्ग में कहते हैं जहाँ-जहाँ रामायण की कथा होती है वहाँ आंजनेय सामने मौजूद रहते हैं। अरे वो जब बुद्धि में ही विराजमान है, बुद्धि में किसलिए विराजमान है? ज्ञान का तीसरा नेत्र, जब ज्ञान सुनाता है तो वो चन्द्रमा की सोल भी पहले सुनती है क्योंकि उसे पहला पत्ता बनना है नई दुनिया का। नई दुनिया का पहला पत्ता बनना है तो ज्ञान भी तो सबसे पहले सुनेगा ना। समझना भी उसको है, भले लास्ट में जाके समझे जब तक वो नहीं समझेगा, तब तक कोई का समझने का फायदा नहीं होगा।

Time: 37.36-38.40
Student: That brother is asking – Nandi (bull) is placed in the front (of *Shivling*) in the temple of Shiva. He asks - why is it so?
Baba: Wherever knowledge is narrated in the Advance party, wherever the class is organized, that soul of Brahma is present there always; that soul of Hanuman remains ready to listen. This is why it is said in the path of *bhakti* that wherever the story of Ramayana is narrated *Anjaneya* (Hanuman) remains in the front. *Arey*, when he is present in the intellect itself; why is he present in the intellect? When the third eye of knowledge (i.e. Shiva) narrates knowledge, that soul of Moon also listens first because he has to become the first leaf of the new world. He has to become the first leaf of the new world, so, he will listen to the knowledge first as well, won't he? He has to understand it first as well, even if it is in the last; until he understands there is no use of anyone else understanding it….. (concluded)

……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info